एक नजर में

बजरंगगढ़ मंडल की कार्यशाला आयोजित

गुना। वीबी जी राम जी केवल एक बिल नहीं, बल्कि गांवों के समग्र विकास और 125 दिन के रोजगार का 'पक्का संकल्प' है। यह सिर्फ रोजगार योजना नहीं, बल्कि रोजगार और आजीविका मिशन के तौर पर गांव की अर्थव्यवस्था को और गति देने वाली योजना है। सशक्त गांव, समृद्ध भारत' के संकल्प की सिद्धि का आधार है,ये बात भारतीय जनता पार्टी के बजरंगगढ़ मंडल द्वारा आयोजित वीबी जीरामजी अधिनियम पर आयोजित मंडल स्तरीय कार्यशाल में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने कही। कार्यशाला में भाजपा के जिला महामंत्री रविन्द्र रघुवंशी टिल्लू,जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि क्षितिज लुंबा, मंडल अध्यक्ष मुनेश धाकड़, संजीव धाकड़ जनपद सदस्य, सरपंच मंडल मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन मंडल महामंत्री अनिल शर्मा एवं आभार जनपद सदस्य धर्मेंद्र जाट ने किया।

तंबाकू मुक्त अस्पताल के तहत बड़ी कार्रवाई

गुना। जिला चिकित्सालय परिसर को तंबाकू-मुक्त बनाने हेतु बुधवार को एक बड़ी कार्यवाही अंजाम दी गई। जिला नोडल अधिकारी (राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम) विनीता सोनी के नेतृत्व में अस्पताल परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अस्पताल परिसर में तंबाकू, बीड़ी एवं सिगरेट का सेवन करते पाए गए 24 व्यक्तियों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई, जिनसे कुल 2590 का जुमार्ना वसूला गया। कार्यवाही की खास बात यह रही कि नियमों का उल्लंघन करने वालों में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं, जिन पर सख्ती से जुमार्ना लगाया गया।

भदौरा के जंगल में मिली अधेड़ की सिर कटी लाश

मृतक के शव को ले जाने एंबुलेंस नहीं दे पाया प्रशासन

सीबीआई जांच की मांग लेकर परिजनों ने किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

गुना 4 फर. का। म्याना थाना क्षेत्र अंतर्गत भदौरा गांव के जंगलों में बुधवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से युवक की गर्दन काटकर शरीर से अलग कर दी है।

जानकारी सामने आई है कि भदौरा गांव निवासी रतिराम कुशवाह (50) मंगलवार को अपनी गायों को चराने के लिए पास के जंगल में गया था। जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बुधवार सुबह जब परिजन और ग्रामीण फिर से तलाश करने निकले, तो जंगल में भदौरा-नेतलपुर मार्ग पर गौशाला के पास रतिराम का रक्तरंजित शव मिला। हत्या इतनी बेरहमी से की गई कि युवक का सिर धड़ से पूरी तरह अलग मिला है। शुरूआती पड़ताल में मृतक का नाम रतिराम कुशवाह बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस अभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि और शिनाख्त की प्रक्रिया पूरी कर रही है। सूचना मिलते ही म्याना थाना पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाए जाने की संभावना है। पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या के कारणों का पता लगाया जा सके। नृशंस हत्याकांड के बाद से पूरे भदौरा गांव और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

संदेह किसी पर नहीं

हैरानी की बात यह है कि रतिराम की क्रूरता के साथ हत्या की गई है। लेकिन परिजनों का दावा है कि उन्हें किसी पर संदेह नहीं है। इसलिए इस मामले की जांच सीबीआई से कराया जाना चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। बताया जा रहा है कि रतिराम रोजाना इसी जंगल में मवेशी चराने के लिए जाते थे और रोजाना देर शाम से पहले घर आ जाते थे। लेकिन मंगलवार को जब वह वापस नहीं लौटे तो उनके परिजनों ने जमकर तलाश की थी। बुधवार सुबह भी रतिराम को तलाश किया गया, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। वहीं एंबुलेंस नहीं मिलने को लेकर प्रशासन की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हत्या के बाद संवेदनहीनता और हंगामा

भदौरा सामने आए सनसनीखेज हत्याकांड के बाद अस्पताल प्रबंधन ने रतिराम का शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। हालांकि परिजनों का आरोप है कि उन्हें अस्पताल प्रशासन की ओर से एंबुलेंस नहीं दी गई। जिसके बाद वे शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में लेकर म्याना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आक्रोशवश रतिराम के परिजनों ने हनुमान चौराहे पर सीबीआई जांच की मांग करते हुए चक्काजाम कर दिया। जिस ट्रैक्टर में रतिराम का शव रखा हुआ था, उसे रास्ते के बीचों-बीच लगा दिया, ताकि आवागमन बाधित हो जाए। काफी देर तक दोनों ओर के वाहन यहां से वहां नहीं निकल सके। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और रतिराम के परिजनों को समझाइश दी। पुलिस ने माना है कि रतिराम की नृशंस हत्या हुई है। फिलहाल केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही हत्यारों को तलाश कर लिया जाएगा। चक्काजाम के दौरान रतिराम की बेटी और अन्य परिजन मार्मिक विलाप करते नजर आए। जिसे देखकर आवागमन में परेशानी होने के बावजूद रहागीरों ने परिवार से हमदर्दी दिखाई।

शादीशुदा महिला को भगाने पर कंचनपुरा में खूनी संघर्ष

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कंचनपुरा में मंगलवार शाम एक विवाहित महिला को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से लाठियां चलीं, जिसमें एक ही समुदाय के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही कैंट पुलिस मौके पर पहुँची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

दरअसल, कंचनपुरा का एक आदिवासी परिवार मजदूरी करने के लिए जोधपुर गया हुआ था। वहीं गांव का ही एक युवक भी मजदूरी कर रहा था। आरोप है कि समाज की ही युवक वहां से उनकी शादीशुदा बेटी को भगा ले गया। काफी तलाश के बाद परिजन महिला को ढूंढने में कामयाब रहे और उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाकर गुना जिले के ग्राम चौरोल ले आए। मामले को शांत करने और बेटी को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से परिजनों ने उसे मथुरा में अपनी बड़ी बेटी के घर भेज दिया था। लेकिन आरोपी को इसका पता चल गया और वह दोबारा महिला को वहां से भगाकर वापस कंचनपुरा ले आया।

जैसे ही यह बात परिजनों को पता चली, मंगलवार शाम करीब 7 बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। इस मारपीट में गुलाब चंद, हक्के, शांति बाई और परमाल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कैंट पुलिस ने मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और घायलों के बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नगर परिषद आरोन द्वारा संकल्प से समाधान शिविर आयोजित

आरोन। नगर परिषद आरोन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत बुधवार, 04 फरवरी 2026 को वार्ड क्रमांक 14 में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की प्रशासनिक समस्याओं को उनके द्वार पर ही सुलझाना और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश कुमार सोनी ने शिविर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्राप्त आवेदनों के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयोजित शिविर के दौरान नागरिकों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों से संबंधित आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर ही निराकरण किया गया। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रखें और अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु इन शिविरों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपयंत्री मोहित बिजौले, सी.ओ. शेख जिगर खान, नगर परिषद के कर्मचारी, वार्ड प्रभारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और हेल्थ वर्कर ओम प्रकाश ओझा सहित बड़ी संख्या में वार्ड के आम नागरिक उपस्थित रहे। इस अभियान के माध्यम से नगर परिषद का लक्ष्य सभी वार्डों में पहुँचकर लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है।

महिलाएं शिक्षा के साथ शास्त्र और शस्त्र का ज्ञान भी रखें, विशेषज्ञों ने दी प्रेरणा

नवभारत न्यूज

आरोन। स्थानीय अंबिका मैरिज गार्डन में शांति मेमोरियल महिला मंडल के तत्वावधान में भव्य 'महिला सशक्तिकरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीजेपी प्रदेश कार्य समिति सदस्य चेतन भार्गव (भोपाल), पूर्व कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, और अखिल भारतीय कुशवाहा समाज की अध्यक्ष कुसुम कुशवाहा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती नीलू कुशवाहा द्वारा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि चेतन भार्गव ने महिलाओं की सामाजिक भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म और संस्कृति में महिलाओं का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब भी हम ईश्वर का स्मरण करते हैं, तो पहले देवी का नाम आता है—जैसे सीताराम, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती और लक्ष्मी-विष्णु। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में हर तिथि और पूजन का महत्व महिलाओं के बिना अधूरा है। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप सेन, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष मातादीन धनबरिया, मंडल अध्यक्ष सुरजीत धाकड़, मुनेश जैन लखनपुरी, गोस्वामी श्रावण जैन, अनिल कुशवाह (गुना), सचिन स्प्रे, गोविंद शर्मा, डॉ. कैलाश सिंह रघुवंशी, सोनू रघुवंशी, पार्षद बृजेंद्र राजपूत, पार्षद रामकुमार धाकड़, सरपंच रेखा कुशवाह, जिलाध्यक्ष आशा रघुवंशी, राज यादव, दिलीप कुशवाह, मोहिनी साहू, प्रताप सिंह, ममता कुशवाह, संजीव यादव, हीरालाल बुनकर, देवेंद्र यादव, बाला प्रजापति, लक्ष्मी नारायण प्रजापति, देवेंद्र शर्मा, लखन सिंह रघुवंशी, प्रकाश मीणा, कमल किशोर, रामलाल कुशवाह, कमला अहिरवार और रविशंकर सेन सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

डीएसपी चयनित मोनिका धाकड़ का हुआ सम्मान

कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण क्षेत्र की प्रतिभा का सम्मान रहा। शैतान सिंह धाकड़ की सुपुत्री मोनिका धाकड़ का डीएसपी पद पर चयन होने पर अतिथियों द्वारा विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस उपलब्धि को महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बताया गया। मंच का सफल संचालन डॉ. राजीव सिंह राजावत ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में वर्षा कुशवाह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

इंटरनेशनल कॉन्वेंट स्कूल में 'प्रयास 2026' की धूम, प्रस्तुतियां दीं

नवभारत न्यूज

बीनागंज। स्थानीय इंटरनेशनल कॉन्वेंट स्कूल में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'प्रयास 2026' बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर आर सी घावरी उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के संरक्षक जिनेश जैन, ब्रजकिशोर सैनी, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक कृष्णपाल सिंह राठौर और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वैभव मीना ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्राचार्य मनोज शिवहरे ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत लक्षिका शिवहरे द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। समारोह में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक, सांस्कृतिक और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से पहलगाम की घटना पर आधारित 'ऑपरेशन सिंदूर' नाटक आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे नन्हे कलाकारों ने इतने जीवंत ढंग से प्रस्तुत किया कि दर्शक भावुक हो उठे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर सी घावरी ने अपने संबोधन में छात्रों और अभिभावकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। प्राचार्य मनोज शिवहरे ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन निरंतर किए जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध भजन गायक पुष्पेंद्र सुमन द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हनुमान टेकरी पर आध्यात्मिक सत्संग आज

गुना। हनुमान टेकरी पर 05 फरवरी को आध्यात्मिक सत्संग समारोह होगा।। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को अध्यात्म और जीवन दर्शन के गूढ़ रहस्यों को समझने का अवसर प्राप्त होगा। समारोह में परम पूज्य सतगुरु देव श्री सतपाल जी महाराज के शिष्य महात्मा वर्धमानानंद जी और महात्मा वीरानंद जी विशेष रूप से पधार रहे हैं।

नव कुंडीय यज्ञ और श्रीराम कथा में उमड़ रहा जनसैलाब

नवभारत न्यूज

बीनागंज/चांचौड़ा। क्षेत्र के मीनेश मंदिर परिसर में इन दिनों धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। यहाँ श्री श्री 1008 श्री अभिराम दास त्यागी जी महाराज के पावन सानिध्य एवं विजय बालाजी मंदिर समिति के तत्वावधान में भव्य नव कुंडीय यज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँचकर धर्म लाभ ले रहे हैं। यज्ञ का संचालन यज्ञाचार्य पंडित श्री सुदर्शन जी शर्मा (जटेरी वाले) द्वारा किया जा रहा है। उनके साथ सहयोगी के रूप में विष्णु प्रसाद शर्मा, अनिल शर्मा, अवध नारायण शर्मा, सेवानिवृत शिक्षक गोपाल शर्मा, महेश शर्मा, अवधेश शर्मा, बृजेश शर्मा और संजय द्वारा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है। इस महायज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में जितेंद्र शिवहरे, मनोज कुमार साहू (बाबा), दीपक साहू, पूर्व सरपंच रामस्वरूप मीना (खतौली), शिक्षक जगदीश मीना सहित कुल 35 जोड़ों द्वारा आहुतियां प्रदान की जा रही हैं। यजमानों की टोली में देवेंद्र मीना, सेवानिवृत्त शिक्षक रामस्वरूप मीना, पत्रकार गोविंद सिंह मीना, पवन सेन, जगमोहन नाथ, कैलाश नारायण मेर, अंकित मीना, अरुण कुमार शिवहरे, राजू शर्मा लाखौरी, शिवराज सिंह मीना, रामस्वरूप मीना मुंशी, फूल सिंह शिवहरे, रवि मीना, जगदीश लोधी, कमल सेन, सत्येंद्र नाथ, राम जीवन, रामजी लोधी, राजा मीना, विनोद नाथ और सुरेंद्र कान्हा सेन सहित अन्य श्रद्धालु सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

मर्माहत मामला वहीं अब मौत का इंतजार कर रही बीमार मां

कलयुगी बेटे की बेरहमी : जिस आशियाने को माँ-बाप ने पसीने से सींचा

नवभारत न्यूज

गुना। कहते हैं कि माता-पिता संतान के लिए छायादार वृक्ष की तरह होते हैं, जो खुद तपकर बच्चों के लिए आशियाना बनाते हैं। लेकिन राघोगढ़ की सांडा कॉलोनी से एक ऐसा मर्माहत करने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक बेटे की कथित संवेदनहीनता ने रिश्तों को शर्मसार कर दिया है। यहाँ एक बीमार माँ, जिसे बेटियों ने अपनी मेहनत से मौत के मुँह से बाहर निकाला था, अब अपने ही घर में इलाज के अभाव में सिसक रही है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सांडा कॉलोनी निवासी हरिओम ओझा के माता-पिता ने एक-एक तिनका जोड़कर अपने परिवार के लिए घर बनाया था। बताया जाता है कि इस आशियाने के निर्माण में वृद्ध माता-पिता ने स्वयं मजदूरों की तरह कड़ी मेहनत की थी। करीब दो वर्ष पूर्व, पिता छितर लाल जी का

हृदयघात से निधन हो गया। उनके इलाज के दौरान भी पुत्र की कथित बेरुखी सामने आई थी, जहाँ जिम्मेदारी का अभाव स्पष्ट दिखा था।

वर्तमान में वृद्ध माँ कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। एक वर्ष पूर्व जब उनकी हालत बिगड़ी, तो बेटियों ने साहस दिखाया और उन्हें इंदौर ले गईं। वहाँ आयुष्मान कार्ड और शासन की योजनाओं की मदद से कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अनूप मंत्री की देखरेख में उनका इलाज चला। लगातार कीमोथेरेपी के बाद माँ न केवल चलने-फिरने लगीं, बल्कि उनकी स्थिति में काफी सुधार हुआ। लेकिन आरोप है कि पुत्र हरिओम ओझा अपनी माँ को वापस घर ले आया और उसके बाद इलाज का सिलसिला थम गया।

उचित देखभाल और इलाज के अभाव में माँ घर में कई बार गिरीं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। आज स्थिति यह है कि सिर पर महज रुमाल बांधकर उनके जख्मों को ढकने की कोशिश की जा रही है, लेकिन किसी डॉक्टर से उपचार नहीं कराया गया।

याददाश्त खो चुकी माँ, रिश्तों में बढ़ती 'कैंसर' जैसी दूरी

सिर में बार-बार चोट लगने और इलाज न मिलने के कारण अब वृद्ध महिला की याददाश्त भी जा चुकी है। वह बिस्तर पर ही मल-मूत्र त्यागने को मजबूर हैं। विडंबना देखिए कि जिस बेटे की खुशी के लिए माँ-बाप ने अपना जीवन समर्पित कर दिया, वही बेटा आज उन्हें तिल-तिल मरने के लिए छोड़ चुका है।

यह घटना समाज के लिए एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि क्या आज रिश्तों में बढ़ती यह संवेदनहीनता कैंसर की

रोटरी क्लब गुना रॉयल ने मनाया 'साई दृष्टि स्कूल' का 13वां स्थापना दिवस

गुना। रोटरी क्लब गुना रॉयल द्वारा संचालित साई दृष्टि स्कूल ने अपनी सेवा यात्रा के 13 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

इस अवसर पर क्लब द्वारा एक गरिमामय स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 3 फरवरी 2013 को इस विद्यालय की शुरूआत दृष्टिबाधित बच्चों को शिक्षा और जीवन कौशल का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से की गई थी।

यह विद्यालय दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहाँ बच्चे ब्रेल लिपि के माध्यम से अध्ययन करते हैं। विद्यालय की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर कई बच्चे 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए इंदौर और भोपाल जैसे महानगरों में जा चुके हैं। वर्तमान में यहाँ की छात्रा कुमारी हिमानी कुशवाह भोपाल के श्री सत्य साई कॉलेज ऑफ वूमेन में इअ.छछइ की पढ़ाई कर रही हैं, जो विद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। विद्यालय में बच्चों को शिक्षित करने में किशोर गुरुजी (जो स्वयं दृष्टिबाधित हैं) और दीपा मैडम का अतुलनीय योगदान रहा है, जो निरंतर बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

स्थापना दिवस के अवसर पर क्लब अध्यक्ष सौरभ जैन एवं सचिव जितेन्द्र वर्मा ने वर्ष 2013 के तत्कालीन अध्यक्ष संदीप जैन और सचिव अभिजीत गोयल का विशेष सम्मान किया।

खेत में चारा काटने गई महिला की करंट लगने से मौत

गुना। जिले के ग्राम झागर में बुधवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहाँ अपने खेत में पशुओं के लिए चारा काटने गई एक 50 वर्षीय महिला की बिजली के खुले तारों की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। झागर निवासी काशीबाई बुधवार सुबह अपने घर के पीछे स्थित खेत में मवेशियों के लिए चारा लेने गई थीं। खेत में लगे ट्यूबवैल के पास बिजली के तार खुले हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में महिला को उपचार के लिए गुना जिला अस्पताल लेकर पहुँचे। यहाँ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

समाजसेवी प्रमोद भार्गव ने एक साल बाद नसीर को मां से मिलाया

नवभारत न्यूज

गुना। कहते हैं कि निस्वार्थ सेवा और सच्चे प्रयासों से बिछड़े हुए लोग भी मिल जाते हैं। ऐसा ही एक सुखद और भावुक दृश्य शिवपुरी में देखने को मिला, जहाँ समाजसेवी प्रमोद भार्गव के प्रयासों से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी नसीर अहमद एक साल बाद अपने परिवार से मिल सके। करीब एक साल पहले समाजसेवी प्रमोद भार्गव को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ स्थिति में भटक रहा है। मानवीय संवेदना दिखाते हुए भार्गव ने नसीर अहमद को अपने संरक्षण में लिया। उनकी मानसिक स्थिति को देखते हुए उन्हें इलाज और देखभाल के लिए 'अपना घर आश्रम' शिवपुरी में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही प्रमोद भार्गव ने उनके घर का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

भावुक कर देने वाला मिलन

आखिरकार, आज नसीर की माँ शिवपुरी पहुँचीं। एक साल के लंबे इंतजार के बाद जब माँ-बेटे का सामना हुआ, तो वहाँ मौजूद हर आँख नम हो गई। दोनों एक-दूसरे के गले लगकर फफक-फफक कर रो पड़े। यह केवल एक मिलन नहीं, बल्कि सेवा और विश्वास की जीत थी। औपचारिकताओं के बाद नसीर अपनी माँ के साथ वापस अपने पैतृक गांव रवाना हो गए।